समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, नागपूर

(राष्ट्रीय बहुदिव्यांगता जन सशक्तिकरण संस्थान, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

COMPOSITE REGIONAL CENTER FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION & EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES, NAGPUR

(NATIONAL INSTITUTE FOR EMPOWERMENT OF PERSONS WITH MULTIPLE DISABILITIES (DIVYANGJAN), DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSON OF DISABILITIES (DIVYANGJAN), MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT, GOVT. OF INDIA)

संकेत स्थळ : www.crcnagpur.org | Email : nagpurcrc@gmail.com | संपर्क : 0712-2445439

बौध्दिक दिव्यांग बच्चो का समस्यात्मक व्यवहार सुधार करने की विधियाँ

अभिभाव तथा शिक्षकों के लिए कुछ घरेलु टिप्स

व्यवहार पूर्व स्थिति बदलना

जिस स्थिति में बच्चा समस्यात्मक व्यवहार दिखाता है, वह स्थिति से बच्चे को दूर रखिये। तथा जिस चीजका उसको डर लगता है वह चीजसे दूर रखिये।

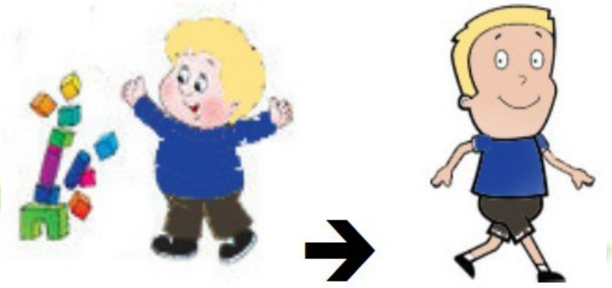

विलोपन या ध्यान न देना

समस्यात्मक व्यवहार करने पर बच्चोसे अपना अवधान पूर्ण रूप से हटा दिजिये। जैसे की, बात नहीं करना, ध्यान नहीं देना।

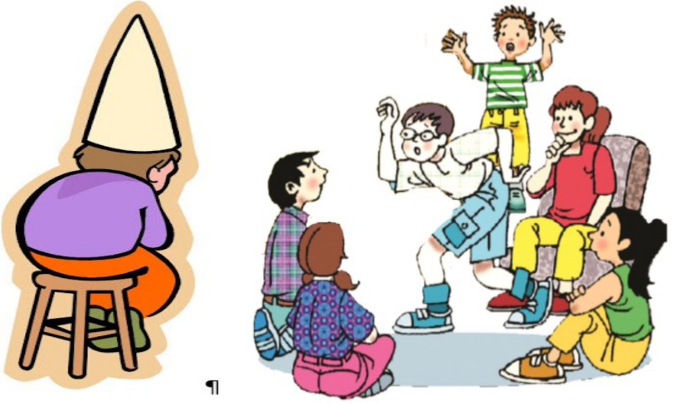

कृति से दूर रखना

कक्षा में अध्यापन करते समय अगर बच्चा समस्यात्मक व्यवहार दिखाता है तो उसे कृती से दूर रखा जाता है। उसमे उसे संमलित ना होने दे। इस प्रक्रिया को टाईम आऊट तकनिक कहते है।

शारीरिक निर्बंध

कभी-कभी बच्चे ऐसे समस्यात्मक व्यवहार दिखाते है जो की दुसरों के लिए या स्वय बच्चे के लिए हानिकारक हो सकते है, तब शारीरिक निर्बंध करना महत्वपूर्ण हो जाता है।

नाराजगी व्यक्त करना

बच्चो से कुसुमायोजित व्यवहार दिखाई देने पर स्पष्ट रूप से उसे इस व्यवहार के लिए नाराजगी व्यक्त करनी चाहिए। यह व्यवहार मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता। एक जगाह बैठकर काम करो इत्यादी।

समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र, नागपुर

अति सुधार

अगर बच्चा चीजे जमींन पर फेकता है तो उसे ना सिर्फ वह चीजे उठाने के लिए कहता है बल्कि वह रूम में बाकी चीजे भी उठाना है।

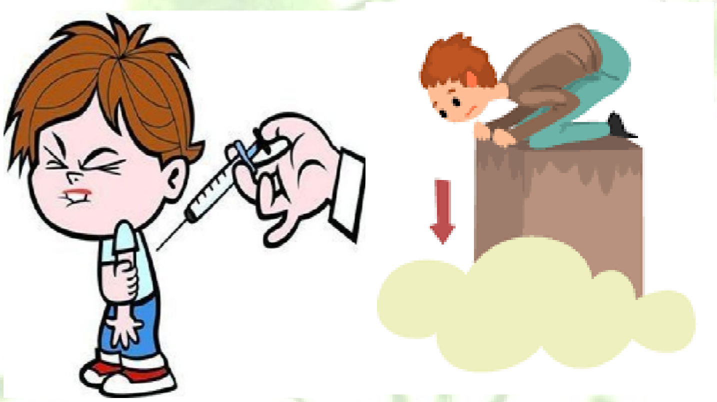

डर को कम करना

बच्चे को जगह, वस्तू, व्यक्ति, प्राणी इ. का लगने वाला डर है तो, धीरे-धीरे ईन चीजो की पहचान कराये और डर को कम करे।

शिक्षा / सजा

कुछ हद तक और कम मात्रा में शारीरिक शिक्षा दे कर कुसुमायोजित व्यवहार को कम किया जा शकता है।

स्व व्यवस्थापन

स्वयं के कुसुमायोजित व्यवहार पर नियंत्रण रखने के लिए तथा कौशल्यात्मक व्यवहार को बढ़ाने हेतु बच्चो को प्रोत्साहित करे।

प्रतिक्रिया मुल्य

बच्चा अगर कुसुमायोजित वर्तन दिखाता है तो उस से पहले दिया गया प्रोत्साहन या पसंदीदार वस्तु वापस ले लीजिये।

श्रीमती अपर्णा भालेराव, विभाग प्रमुख तथा सहा.प्राध्यापक

(संपर्क क्र.: मोब. क्र. : 88881 25826, कार्यालयीन क्र.: 0712-2445439)

Advice/Guidance Helpline Numbers

General Enquiry	For Hearing Disability	For Visual Impairment	For Mental Health
Shri Rajednra Meshram	**Shri Prafull Shinde**	**Shri Mohmad Aslam**	**Smt. Aparna Bhalerao**
9421701280/ 9637335200	09890763885/ 8830971435	09027650265	08888125826

Mental Health Toll Free Number 080-46110007